दिनांक 9 सितम्बर 2018 को कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल द्वारा आयोजित कार्यक्रम "Run for Vision" में माननीया राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के मुख्य बिन्दु:-

- नेत्रदान के प्रति लोगों को प्रेरित एवं उन्हें जागरूक करने के उद्देश्य से कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम "Run for Vision" में सम्मिलित होकर मुझे अपार प्रसन्नता हो रही है। इस नेक पहल के लिए कश्यप दंपत्ति हार्दिक बधाई के पात्र हैं।
- इस अवसर पर मैं नेत्रदान करने हेतु पहल करने के लिए नेत्रदाताओं एवं उनके परिजनों की भी पुनीत कार्य की सराहना करती हूँ, जिसके कारण पूर्व में blindness के शिकार दिव्यांगों के लिए आज इस सुन्दर संसार को देखना सार्थक हो पाया है।
- हम सभी देखते हैं कि blindness के शिकार दिव्यांगों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। वे विभिन्न क्षेत्रों में सफलता अर्जित कर रहे हैं, कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। ऐसे में हम आशा करते हैं कि उनके आँखों में रौशनी मिलने से वे लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में और तेजी से अग्रसर होंगे तथा समाज व राष्ट्र को अपने कार्यों से गौरवान्वित करेंगे।
- आँखों की रौशनी की अहमियत से सभी अवगत हैं। ऐसे में blindness के शिकार दिव्यांगों के बारे में सोचे कि उन्हें हर पग पर क्या-क्या कठिनाइयाँ होती होंगी? यह और भी संवेदना का विषय है कि विश्व के में सबसे अधिक blindness से ग्रस्त दिव्यांग हमारे देश में ही हैं।

- अत: आज जहाँ हम विकसित राष्ट्र व समाज के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, वहाँ हमें इसके समाधान हेतु नेत्रदान के महत्व को समझना होगा। इसके लिए व्यापक पैमाने पर जागरूकता की जरूरत है।
- समाज में व्याप्त भ्रांतियों और जानकारी की कमी के कारण अभी तक नेत्रदान की संख्या अपेक्षा के अनुरूप नहीं बढ़ रही है। लोग अपने परिजनों का मृत्यु के उपरांत नेत्रदान नहीं कर रहे हैं, जबकि उन्हें दाह-संस्कार अथवा दफनाने के पूर्व Eye Bank को सूचित करना चाहिये और मृत व्यक्ति के नेत्रों का दान कर, महादान करना चाहिये। इसके लिए स्वयंसेवी संस्थाओं, बुद्धिजीवियों को आगे आना होगा ताकि लोग इस महादान के लिए प्रेरित हो सके।
- प्रसन्नता है कि झारखण्ड राज्य में blindness से ग्रस्त दिव्यांगों के आँखों में रौशनी सुलभ कराने की दिशा में कश्यप मेमोरियल आई बैंक द्वारा सक्रिय पहल किया जा रहा है। इनके द्वारा शहर में रहनेवालों के साथ सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को नेत्रदान के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है।
- मुझे अवगत कराया गया है कि विगत दो दशक से कश्यप मेमोरियल आई बैंक इस दिशा में सार्थक प्रयास कर रहा है, इसी का परिणाम है कि अब तक 15000 से अधिक लोगों ने कश्यप मेमोरियल आई बैंक को शपथ पत्र भरकर नेत्रदान की इच्छा व्यक्त की है। ये इस आई बैंक की उपलब्धि कही जा सकती है अथवा लोगों का इसके प्रति विश्वास। नेत्रदान के प्रति शपथ पत्र भरकर इच्छा व्यक्त करनेवालों में एक मैं भी हूँ।
- मुझे खुशी है कि इस आई बैंक को अब तक 502 मृत लोगों के नेत्र प्राप्त हुए हैं, इस नेक कार्य के लिए मैं उनके परिजनों

असीम बधाई देती हूँ। यहाँ के चिकित्सकों द्वारा दक्षता का परिचय देते हुए 442 आँखों का transplantation किया जा चुका है। मुझे यह भी अवगत कराया गया कि इस सत्र में इस आई बैंक को नेत्रदान स्वरूप 28 नेत्र प्राप्त हुए हैं तथा Eye Bank Association के Cornea Distribution System के द्वारा 5 नेत्र प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार कुल 33 नेत्र इस Eye Bank को प्राप्त हुए और 33 नेत्रों का प्रत्यारोपण इस सत्र में किया जा चुका है, ऐसा मुझे बताया गया है। इस बड़ी उपलब्धि के लिए सम्पूर्ण कश्यप मेमोरियल आई बैंक परिवार को बधाई देती हूँ तथा उनसे और राज्यहित एवं समाजहित में और अपेक्षा करती हूँ।

- मैं यहाँ यह उल्लेख करना चाहूँगी कि राज्य के और भी आई बैंक एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ इस प्रकार के कार्य करें। सभी आई बैंक एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ यह संकल्प लें कि राज्य का कोई भी व्यक्ति blindness का शिकार न हो, सभी की आँखों में रौशनी पहुँचाने का दृढ़ संकल्प लें।
- हमारे चिकित्सक Eye Transplantation की विधा में निपुण एवं दक्ष बनें और लोगों को नेत्रदान के प्रति प्रेरित करें। उनका दायित्व है कि समय-समय पर स्वास्थ्य कैम्पों का आयोजन कर लोगों के नेत्रों की जाँच एवं इलाज नि:शुल्क करें, तभी इन संस्थानों/चिकित्सकों का समाज के प्रति दायित्वों का निर्वाह सुनिश्चित होगा।
- मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि कश्यप मेमोरियल आई बैंक ने राज्य के सुदूर ग्रामीण एवं पिछड़े इलाकों में कैंप लगाकर गरीबों तक स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचायी है। फेको पद्धति से हजारों

गरीबों की मोतियाबिंद के ईलाज किये गये हैं। इन क्षेत्रों में रहनेवाले मरीजों को भी कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल लाकर यहाँ उन्नत सुविधाओं के बीच उपचार किया गया।

- डॉ. भारती कश्यप आदिवासी एवं पिछड़े इलाके में अन्य गंभीर बीमारियों यथा- **cervical cancer** के निदान हेतु भी सक्रियता से पहल कर रही है। उन्होंने राजमहल एवं साहेबगंज में आयोजित मेगा कैम्प में मुझे भी आमंत्रित किया था और मैं वहाँ उनके बुलावे पर गई थी। मैंने वहाँ देखा कि उनके द्वारा झारखण्ड के चिकित्सकों के साथ-साथ विदेश से भी चिकित्सक को व्यक्तिगत रूचि लेकर बुलाया गया था। ये कार्य एक चिकित्सक होने के नाते बहुत बड़ा धर्म है।
- मैं चाहती हूँ कि राज्य के सभी चिकित्सक अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करें, धनार्जन की ओर न देखकर वास्तविक सम्मान की दिशा में कर्त्तव्यों का निर्वहन करें। नि:स्वार्थ भाव से लोगों को स्वस्थ्य की ओर ध्यान दें। आप ऐसा कार्य करें कि लोग आपको सदियों याद रखें, आप अविस्मरणीय बनें।
- अन्त में, मैं एक बार पुन: सभी को नेत्रदान के प्रति आह्वान करती हूँ तथा **blindness** से लड़ने और सबकी आँखों में रौशनी पहुँचें, इसके लिए संकल्प लेने हेतु कहना चाहूँगी। लोग तन्दरूस्त रहेंगे, खुशहाल होंगे तो देश उन्नत होगा।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!